प्रेस-विज्ञप्ति

दीव में 'वायु-चक्रवात' के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए समाहर्ता की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

दीव 14 जून, 2019 : दीव समाहर्तालय सभागार में आज दीव समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में 'वायु-चक्रवात' के प्रभाव पर विस्तृत चर्चा हुई और किये गये राहत कार्यों की समीक्षा की गई। इस बैठक में दीव की मुख्य अधिकारी श्रीमती वंदना राव, उप-समाहर्ता डॉ. अपूर्व शर्मा, दमण से राहत एवं बचाव कार्य में तैनात किये गये अधिकारियों में सुश्री अंकिता मिश्रा, श्री हरमिंदर सिंह, श्री वैभव रिखारी, श्री अश्विन परिहार एवं सिलवासा के अधिकारी श्री मोहित मिश्रा के साथ दीव जिले के समस्त अधिकारीगण शामिल हुए।

बैठक का आरंभ करते हुए दीव समाहर्ता ने सबसे पहले चक्रवात अवधि के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने एन.डी.आर.एफ. टीम, अग्निशमन सेवा टीम और पुलिस टीम के कार्यों की सराहना की। उन्होंने मुस्तैदी के साथ आपदा से निपटने के लिए दीव प्रशासन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पन भावना की प्रशंसा की।

समीक्षा बैठक में सभी टीम लीडर से आवश्यक जानकारी ली गई और राहत एवं बचाव कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं पर चर्चा की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पाया गया कि टीम में समन्वय और ताल-मेल होने की वजह से आपदाओं पर समयबद्ध तरीके से नियंत्रण पाया जा सका। समाहर्ता महोदय ने बताया कि यह समीक्षा बैठक इस लिए अनिवार्य है ताकि आने वाले समय में अगर इस प्रकार की किसी भी प्राकृतिक विपदा का सामना इस जिले को करना पड़े तो इस बार के अनुभव का पूर्ण उपयोग किया जा सके। साथ ही अगर इस बार किसी भी प्रकार की कोई कमी या त्रुटि रह गई हो तो उसपर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की जा सके।

ध्यातव्य है कि 12 जून की मध्य रात्रि 'वायु-चक्रवात' का दीव के तटीय इलाकों से टकराने की संभावना जाहिर की गई थी। इसके मद्देनजर प्रशासन ने सुरक्षा एवं बचाव के पुख्ता इंतजाम किये थे। मगर चक्रवात के केन्द्र की स्थिति में परिवर्तन आने की वजह से दीव में इसका प्रभाव उतरोत्तर कम होता चला गया और प्रशासन के सक्रिय चाक-चौबंदी के कारण किसी भी प्रकार के जान-माल का नुकसान नहीं होने पाया। चक्रवात के दौरान गिरनेवाले वृक्षों को अविलंब काटकर हटा दिया गया और बिजली के टूटे हुए खंभों को हटाकर तुरंत बिजली आपूर्ति जारी की गई। विदित हो कि चक्रवात के आंशिक प्रभाव के बावजूद भी दीव में यातायात व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति और इंटरनेट बाधित नहीं हुई। जनजीवन सामान्य रहा एवं तेज चलने वाली हवाओं से भी किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो पाया।

चक्रवात की संभावना के समाप्त होने और जिले की स्थिति को नियंत्रण में देखते हुए दीव समाहर्ता ने आदेश जारी कर दमण और सिलवासा से चक्रवात नियंत्रण एवं सहयोग के लिए भेजे गये अधिकारियों को आज कार्यभार-मुक्त कर दिया है। दीव समाहर्ता ने दीववासियों और पर्यटकों के सकारात्मक सहयोग के लिए उनको धन्यवाद दिया।